TRENDS IN AGRICULTURE SCIENCE
Popular Article
Vol.3 Issue 12 December 2024, Page: 2334-2337

गोजातीय पशुओं में महत्वपूर्ण बीमारियों के लिए एथनोवेटरिनरी (नृवंशविज्ञान) सूत्रीकरण

डा.अभय कुमार मीना [1*], डा. सुमित प्रकाश यादव [2], डा. चन्द्रशेखर सारस्वत[3], एवं डा. कृष्णा नन्द बंसल[4]
स्नातकोत्तर पशु चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, जयपुर
राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय , बीकानेर (राजस्थान)
DOI:10.5281/TrendsinAgri.14599674

1. पशुओ मे जेर का अटकना (Retention of Placenta)

सामग्री:
सफेद मूली - 1 पूर्ण कंद; भिंडी - 1.5 किलो; गुड़- आवश्यकतानुसार; नमक- आवश्यकतानुसार

तैयारी:
(i) प्रत्येक भिंडी को 2 टुकड़ों में काट लें।

प्रयोग कैसे करे

1. ब्याने के दो घंटे के भीतर एक पूर्ण कंद मूली खिलाएं।
2. यदि ब्याने के 8 घंटे बाद भी जेर नहीं गिरती है तो 1.5 किलोग्राम ताजी भिंडी को गुड़ और नमक के साथ खिलाएं।
3. यदि ब्याने के 12 घंटे बाद भी जेर नहीं गिरती है, तो आधार के बहुत करीब एक गांठ बांधें और गांठ से 2 इंच नीचे काटकर छोड़ दें। गांठ अंदर चली जाएगी.
4. रुके हुए प्लेसेंटा को हाथ से निकालने का प्रयास न करें।
5. चार सप्ताह तक सप्ताह में एक बार मूली का एक पूरा कंद खिलाएं।

2. पशुओ मे फोराव की समस्या (Repeat breeding)

प्रयोग कैसे करे

1.गर्मी के पहले या दूसरे दिन उपचार शुरू करें।
2.गुड़ और नमक के साथ दिन में एक बार निम्नलिखित क्रम में ताजा रूप में खिलाएं:

(a) 5 दिनों के लिए प्रतिदिन 1 सफेद मूली (b) 4 दिनों के लिए प्रतिदिन 1 एलोवेरा पत्ती। (c) 4 दिन के लिए 4 मुट्ठी मोरिंगा पत्तियां . (d) 4 दिनों के लिए 4 मुट्ठी सीसस स्टेम। (e) हल्दी के साथ 4 मुट्ठी करी पत्ते 4 दिनों के लिए। (f) यदि पशु ने गर्भधारण नहीं किया है तो उपचार एक बार फिर से दोहराएं।

3. पशुओ मे फूल दिखना या गर्भाशय का बाहार आ जाना (Uterine Prolapse)

सामग्री:
एलोवेरा जेल- एक पूरी पत्ती से; हल्दी पाउडर एक चुटकी; मिमोसा पुडिका पत्तियां- 2 मुट्ठी।

तैयारी:
पूरी पत्ती से जेल निकाल लें।
पतलापन कम होने तक इसे कई बार धोएं।
इसमें एक चुटकी हल्दी पाउडर मिलाएं और आधी मात्रा तक उबालें और ठंडा होने दें
एम. पुडिका की पत्तियों का पेस्ट तैयार करें।

प्रयोग कैसे करे

1. फैले हुए भाग को साफ करें

Published: 31 Dec 2024
ISSN: 2583-7850

2. बढ़े हुए भाग पर जेल छिड़कें।
3. जेल सूखने के बाद एम.पुडिका पेस्ट लगाएं।
4. स्थिति में सुधार होने तक दोहराएँ

4.थनैला रोग (सभी प्रकार) Mastitis (all types)

सामग्री:

A) एलोवेरा - 250 ग्राम; B) हल्दी- 50 ग्राम (प्रकंद या पाउडर); C) कैल्शियम हाइड्रॉक्साइड (चूना)-15 ग्राम; D) नींबू - 2 नग।

तैयारी:

1. लाल रंग का पेस्ट बनाने के लिए सामग्री (केवल A से C) को मिलाएं।
2. दोनों नींबू को आधा-आधा काट लें.

प्रयोग कैसे करे:

1. एक मुट्ठी पेस्ट में 150- 200 मिलीलीटर पानी मिलाकर पानी जैसा बना लें.
2. थन को धोकर साफ़ करें और मिश्रण को पूरे भाग पर लगाएं।
3. 5 दिनों के लिए दिन में 10 बार प्रयोग करे ।
4. 3 दिन तक दिन में दो बार 2 नींबू खिलाएं।

ध्यान दें: दूध में खून के लिए, उपरोक्त के अलावा, करी पत्ते (2 मुट्ठी) और गुड़ का पेस्ट बनाएं और स्थिति ठीक होने तक दिन में दो बार खिलाएं।

5. थन में रुकावट (Teat obstruction)

सामग्री:

ताजी तोड़ी और साफ नीम की पत्ती का डंठल- 1; हल्दी पाउडर; मक्खन या घी

तैयारी:

1. नीम की पत्ती के तने को थन की लंबाई के आधार पर आवश्यक लंबाई में काटें।
2. नीम की पत्ती के डंठल पर हल्दी पाउडर और मक्खन/घी के मिश्रण को अच्छी तरह से लेप करें।

प्रयोग कैसे करे:

1. लेपित नीम की पत्ती के डंठल को प्रभावित थन में वामावर्त दिशा में डालें।
2. प्रत्येक दूध दुहने के बाद इसकी जगह ताजा नीम का डंठल डालें।

6. थन की सूजन (Udder Oedema)

सामग्री:

तिल या सरसों का तेल - 200 मिलीलीटर; हल्दी पाउडर 1 मुट्ठी; लहसुन-2 मोती.

तैयारी:

1. तेल गरम करें, हल्दी पाउडर और कटा हुआ लहसुन डालें।
2. अच्छी तरह मिलाएं और जैसे ही अनुकूलता विकसित हो आंच से उतार लें (उबालने की जरूरत नहीं है)।
3. ठंडा होने दें।

प्रयोग कैसे करे:

1. पूरे सूजन क्षेत्र और थन पर बल के साथ गोलाकार तरीके से लगाएं।
2. 3 दिन तक दिन में 4 बार लगाएं।

ध्यान दें: फॉर्मूलेशन का उपयोग करने से पहले थनैला रोग को दूर करें।

7. एफएमडी मुँह के घाव (F.M.D mouth lesions)

सामग्री:

जीरा - 10 ग्राम; मेथी के बीज- 10 ग्राम; काली मिर्च- 10 ग्राम हल्दी पाउडर- 10 ग्राम; लहसुन - 4 मोती; नारियल- 1; गुड़- 120 ग्राम.

Published: 31 Dec 2024
ISSN: 2583-7850

तैयारी:

1. जीरा, मेथी और काली मिर्च के दानों को 20-30 मीटर पानी में भिगो दीजिये.
2. सभी सामग्रियों को मिलाकर बारीक पेस्ट बना लें।
3. पेस्ट में 1 साबुत कसा हुआ नारियल डालें और केवल हाथ से ही मिलाएँ।
4. प्रत्येक प्रयोग के लिए ताज़ा खुराक तैयार करें।

प्रयोग कैसे करे

1. मुंह, जीभ और तालु के अंदर लगाएं।
2. इसे 3 से 5 दिनों तक दिन में तीन बार दें।

8. **एफएमडी पैर के घाव/घाव (F.M.D foot lesions/wound)**

सामग्री:

अकलिफा इंडिका की पत्तियां- 1 मुट्ठी; लहसुन - 10 मोती; नीम की पत्तियां- 1 मुट्ठी; नारियल या तिल का तेल250 मि.ली.; हल्दी पाउडर - 20 ग्राम; मेहंदी के पत्ते- 1 मुट्ठी; तुलसी के पत्ते - 1 मुट्ठी।

तैयारी:

1. सभी सामग्रियों को अच्छी तरह मिला लें.
2. 250 मिलीलीटर नारियल या तिल के तेल में मिलाकर उबालें और ठंडा करें।

प्रयोग कैसे करे:

1. घाव को साफ करें और सीधे लगाएं या औषधीय कपड़े से पट्टी बांधें।
2. पहले दिन केवल तभी अनोना पत्ती का पेस्ट या कपूरयुक्त नारियल तेल लगाएं अगर कीड़े मौजूद हों।

9. **बुखार (Fever)**

सामग्री:

लहसुन- 2 मोती; धनिया- 10 ग्राम; जीरा-10 ग्राम; तुलसी 1 मुट्ठी; सूखी दालचीनी की पत्तियाँ-10 ग्राम; काली मिर्च10 ग्राम; पान के पत्ते- 5 नग; शलोट- 2 बल्ब; हल्दी पाउडर- 10 ग्राम; चिराता पत्ती पाउडर-20 ग्राम; मीठी तुलसी- 1 मुट्ठी; नीम की पत्तियां- 1 मुट्ठी; गुड़- 100 ग्राम.

तैयारी:

1. जीरा, काली मिर्च और धनिये के बीज को 15 मिनिट पानी में भिगो दीजिये.
2. पेस्ट बनाने के लिए सभी सामग्रियों को मिला लें और मिला लें।

प्रयोग कैसे करे

1. सुबह और शाम छोटे भागों में मौखिक रूप से दें।

10. **दस्त (Diarrhoea)**

सामग्री:

मेथी के बीज - 10 ग्राम; प्याज- 1 नग; लहसुन- 1 मोती; जीरा- 10 ग्राम; हल्दी- 10 ग्राम; करी पत्ता- 1 मुट्ठी; खसखस - 5 ग्राम; काली मिर्च - 10 ग्राम ; गुड़- 100 ग्राम; हींग- 5 ग्राम.

तैयारी:

1. - जीरा, हींग, खसखस और मेथी दाना को धुआं निकलने तक भून लीजिए.
2. तले हुए बीजों को ठंडा करके पाउडर बना लीजिए.
3. इसे बाकी सामग्री के साथ मिलाकर पेस्ट बना लें।

प्रयोग कैसे करे:

1. पेस्ट को छोटी-छोटी बॉल्स में रोल करें.
2. स्थिति ठीक होने तक 1-3 दिनों के लिए दिन में एक बार छोटे भागों में मौखिक रूप से दें।

11. सूजन और अपच (Bloat and Indigestion)

सामग्री:

प्याज- 100 ग्राम; लहसुन - 10 मोती; सूखी मिर्च- 2; जीरा- 10 ग्राम; हल्दी -10 ग्राम; गुड़- 100 ग्राम; काली मिर्च10 ग्राम; पान के पत्ते- 10 नग; अदरक – 100 ग्राम.

Published: 31 Dec 2024
ISSN: 2583-7850

तैयारी:

1. काली मिर्च और जीरा को 30 मिनिट तक भिगो दीजिये.
2. अन्य सामग्री के साथ मिलाकर पेस्ट बना लें।

प्रयोग कैसे करे:

1. पेस्ट को छोटी-छोटी बॉल्स में रोल करें.
2. 3 दिनों के लिए दिन में 3-4 बार नमक के साथ छोटे हिस्से में मौखिक रूप से दें।

12. कीड़े (Worms)

सामग्री:

प्याज- 1 नग; लहसुन - 5 मोती; सरसों के बीज- 10 ग्राम; नीम की पत्तियां- 1 मुट्ठी; जीरा- 10 ग्राम; करेला- 50 ग्राम; हल्दी- 5 ग्राम; काली मिर्च- 5 ग्राम; केले का तना- 100 ग्राम; सामान्य ल्यूकस -1 मुट्ठी; गुड़- 100 ग्राम.

तैयारी:

1. काली मिर्च, जीरा और सरसों को 30 मिनट तक भिगो दें।
2. अन्य सामग्री के साथ मिलाकर पेस्ट बना लें।

प्रयोग कैसे करे:

1. पेस्ट को छोटी-छोटी बॉल्स में रोल करें.
2. 3 दिनों के लिए दिन में एक बार नमक के साथ छोटे हिस्से में दें।

13. टिक/एक्टोपारासाइट्स (Tick/Ectoparasites)

सामग्री:

लहसुन- 10 मोती; नीम की पत्तियां- 1 मुट्ठी; नीम फल - 1 मुट्ठी; एकोरस प्रकंद- 10 ग्राम; हल्दी पाउडर- 20 ग्राम; लैंटाना की पत्तियां- 1 मुट्ठी; तुलसी के पत्ते- 1 मुट्ठी.

तैयारी:

1. सभी सामग्रियों को मिला लें.
2. एक लीटर साफ पानी डालें।
3. बारीक छलनी या मलमल के कपड़े से छान लें।
4. एक स्प्रेयर से जुड़ी बोतल में स्थानांतरित करें।

प्रयोग कैसे करे:

1. पशु के पूरे शरीर पर स्प्रे करें।
2. पशुशाला में किसी भी दरार और दरारें पर भी स्प्रे करें।
3. घोल में भिगोए कपड़े का उपयोग करके भी आवेदन किया जा सकता है।
4. स्थिति ठीक होने तक सप्ताह में एक बार दोहराएं।
5. इसका प्रयोग केवल दिन के धूप वाले भाग में ही करें।

14.चेचक/मस्सा/दरारें (Pox/wart/cracks)

सामग्री:

लहसुन - 5 मोती; हल्दी पाउडर- 10 ग्राम; जीरा - 15 ग्राम; मीठी तुलसी - 1 मुट्ठी; नीम की पत्तियाँ - 1 मुट्ठी; मक्खन (पसंदीदा) या घी - 50 ग्राम।

तैयारी:

1. जीरे को 15 मिनिट पानी में भिगो दीजिये.
2. सभी सामग्रियों को मिलाकर बारीक पेस्ट बना लें।
3. मक्खन डालें और अच्छी तरह मिलाएँ।

प्रयोग कैसे करे:

1. स्थिति ठीक होने तक प्रभावित हिस्से पर जितनी बार संभव हो लगायें।
2. त्वचा की सतह सूखने के बाद लगाएं।

Published: 31 Dec 2024
ISSN: 2583-7850